समष्टि अर्थशास्त्र

UNIT 1 राष्ट्रीय आय और संबंधित समुच्चय
(Part -1)

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

विद्या दृष्टि

The Vision Of Education

CLASSES AVAILABLE :-

6th to 10th

- Maths
- Science
- English
- Sst

11th & 12th

- Pol. Science
- History
- Economics
- Accounts
- Maths
- English
- sociology

C-136A, Laxmipark, Near M. S. Memorial Public School, Nangloi, Delhi - 110041

M H Rabbani : 8700467219
(Chief Mentor & Coordinator)

@vidyadrishti

समष्टि अर्थशास्त्र

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

👉 **उतपत्ति**

- अंग्रेज़ी शब्द — MACRO
- ग्रीक शब्द — MAKROS

] — अर्थ बड़ा (सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था)

👉 **अर्थशास्त्र की एक शाखा**

- समस्त अर्थव्यवस्था के स्तर पर आर्थिक प्रश्नों एवं समस्याओं का अध्ययन।

👉 **उदाहरण :-**

- रोजगार
- अर्थव्यवस्था में उत्पादन या निर्गत (output) में वृद्धि
- मुद्रास्फीति — किम्मत वृद्धि
- मंदी — माँग में कमी

अन्तर का पैमाना	समष्टि अर्थशास्त्र	व्यष्टि अर्थशास्त्र
👉 **अध्ययन का आधार**	संपूर्ण अर्थव्यवस्था	एक व्यक्तिगत ◆ गृहस्थ ◆ फर्म ◆ उद्योग
👉 **आर्थिक चर**	समष्टि चर ◆ समग्र माँग (AD) ◆ समग्र पूर्ति (AS)	व्यष्टि चर ◆ उपभोक्ता की माँग ◆ उत्पादक की पूर्ति
👉 **आर्थिक एजेंट**	संस्थागत आर्थिक इकाईयाँ ◆ RBI ◆ SEBI ◆ TRAI	व्यक्ति विशेष / समूह ◆ उपभोक्ता ◆ उत्पादक
👉 **सामूहिकता की मात्र**	पर्याप्त ◆ अर्थव्यवस्था में सभी आर्थिक इकाईयों के संतुलन का अध्ययन	सीमित ◆ एक उद्योग / फर्म के संतुलन का अध्ययन
👉 **केंद्रीय समस्याएं**	उत्पादन एवं रोजगार के सम्पूर्ण स्तर का निर्धारण	संसाधनों का आबंटन
👉 **अध्ययन की विधि**	समान्य संतुलन विशलेषण	आंशिक संतुलन विश्लेषण

व्यष्टि - समष्टि विरोधाभास

👉 व्यष्टि स्तर पर जो तथ्य तर्कपूर्ण एवं ठीक होते हैं, समष्टि स्तर पे तर्कपूर्ण नहीं हो सकते हैं। इसे ही व्यष्टि - समष्टि विरोधाभास कहा जाता है।

👉 **उदाहरण :- बचत**

व्यष्टि स्तर पर

■

एक व्यक्ति के बचत में वृद्धि

■

भविष्य में समृद्धि में वृद्धि

समष्टि स्तर पर

■

किसी अर्थव्यवस्था के सभी लोग अधिक बचत करने लगें तो

■

समग्र माँग (AD) में कमी

■

निवेश और उत्पादन में कमी

■

रोजगार में कमी

■

GDP में कमी

■

अर्थव्यवस्था भविष्य में समृद्धि की जगह निर्धनता के जाल में फँस जाएगी।

निष्कर्ष :-

वस्तुतः बचत एक वरदान और अभिशाप दोनों हो सकता है।

समष्टि अर्थशास्त्र के क्षेत्र

(1) राष्ट्रीय आय की अवधारणा एवं आंकलन की विधि
- राष्ट्रीय आय की परिभाषा
- राष्ट्रीय आय का आंकलन
- संबंधित समुच्चय

(2) रोजगार का सिद्धांत
- केंज (keyns) द्वारा दिया गया
- बेरोजगारी के कारण
- बेरोजगारी का समाधान

(3) मुद्रा का सिद्धांत
- वाणिज्यिक बैंक (Commercial Bank) द्वारा मुद्रा या साख (credit) का सृजन
- RBI द्वारा मुद्रा पूर्ति (money supply) का नियमन

(4) सरकार की भूमिका अथवा सरकारी बजट
- आर्थिक गतिविधियों पर बजट का प्रभाव

by - M H Rabbani

(5) विनिमय दर एवं भुगतान शेष (BOP)

- विनिमय दर निर्धारण
- विनिमय दर प्रणाली

(6) समान्य कीमत स्तर सिद्धांत

- सफीतिकारी अंतराल तथा अवस्फीतिकारी अंतराल
- कीमत परिवर्तन की प्रवृति (Trends)

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

निष्कर्ष :-

समष्टि अर्थशास्त्र का उद्देश्य सामाज कल्याण को अधिकतम करना है। इसके लिए यह ऐसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है जो बताते हैं —

👉 एक अर्थव्यवस्था कैसे कार्य करती है।

👉 इसे कैसे विनियमित किया जा सकता है।

समष्टि अर्थशास्त्र का महत्व

(1) अर्थव्यवस्था का विवरण

- राष्ट्रीय आय का अनुमान हमें अर्थव्यवस्था में आर्थिक गतिविधि की प्रकृति और स्तर के बारे में बताता है।
- बेरोजगारी के अध्ययन से समस्या की भयावहता और इससे निपटने के तरीकों का पता चलता है।
- सरकारी बजट स्पष्ट करता है कि किस तरह से सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था को विनियमित किया जाता है और अर्थव्यवस्था पर सरकार का प्रभाव।

(2) आर्थिक स्थिरता

- यह आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने में मदद करता है।
- आर्थिक स्थिरता प्राप्त की जाती है :-
  - (a) सरकार की राजकोषीय नीति से
  - (b) RBI की मौद्रिक नीति से

by - M H Rabbani

(3) BOP स्थिति

- भुगतान संतुलन हमें शेष विश्व के संबंध में हमारी अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को बताता है
- BOP हमारी निर्यात की क्षमता और आयात पर निर्भरता को दर्शाता है।

(4) नीति निर्माण

- वृद्धि और विकास का रोडमैप सरकार द्वारा समष्टि चरों से संबंधित जानकारी के आधार पर बनाया जाता है। जैसे - AD, AS, कुल उपभोग , कुल निवेश

(5) गरीबी और पर्यावरण प्रदूषण की समस्या

- समष्टि मॉडल का उपयोग कर इन समस्याओं का समाधान किया जाता है ।

निष्कर्ष :-

👉 समष्टि अर्थशास्त्र से अर्थव्यवस्था का एक स्पष्ट चित्रण प्राप्त होता है।

👉 यह आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने में सहायता करता है।

👉 समष्टि मॉडलों का उपयोग करके निर्धनता, बेरोजगारी तथा पर्यावरणीय प्रदूषण जैसी समस्याओं का समाधान किया जाता है।

👉 देश में समृद्धि तथा विकास की नीतियों के निर्धारण में समष्टि अर्थशास्त्र सहायक है।

समष्टि अर्थशास्त्र की दो समान्य विशेषताएं

(a) आर्थिक एजेंट राज्य स्वयं होता है या कोई वैधानिक निकाय होती है।
(b) आर्थिक उद्देश्य जनता का कल्याण।

आर्थिक एजेंट

👉 आर्थिक निर्णय लेने वाले **व्यक्तियों एवं संस्थाओं** को आर्थिक इकाई अथवा आर्थिक एजेंट कहा जाता है।

👉 आर्थिक निर्णय लेने वाले :-

(1) व्यष्टि स्तर

- उपभोक्ता (Comsumer)
- उत्पादक (Producer)

(2) समष्टि स्तर

- सरकार (Government)
- निगम (Corporation)
- बैंक (Bank)

उद्यमी (Entrepreneur)

👉 **वैसे लोग उद्यमी कहलाते है जो —**

- आर्थिक निर्णय लेते हैं और,
- उद्यम के साथ जुड़े जोखिम का वहन करते हैं।

👉 उद्यमी, उत्पादन के अन्य कारकों भूमि, श्रम और पूंजी की सहायता से उत्पादन प्रक्रिया को संभव बनाता है।

पूँजीवादी अर्थव्यवस्था

👉 वैसी अर्थव्यवस्था जिसमे अधिकांश आर्थिक क्रियाकलापों में निम्नलिखित अभिलक्षण हों :

(a) उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व हो।
(b) बाजार में निर्गत(Output) को बेचने के लिए ही उत्पादन किया जाए।
(c) श्रमिक सेवाओं का क्रय - विक्रय एक निश्चित दर पर अथार्त मजदूरी दर पर हो।

समष्टि आर्थिक चर

👉 वैसे **आर्थिक चर जिनका अध्ययन समस्त अर्थव्यवस्था के स्तर पर** किया जाता है, समष्टि आर्थिक चर कहलाते हैं। जैसे :-

(a) अर्थव्यवस्था में रोजगार का स्तर
(b) राष्ट्रीय आय
(c) समग्र माँग (AD) / समग्र पूर्ति (AS)
(d) सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था का उपभोग व्यय / निवेश व्यय

by - M H Rabbani

आंशिक संतुलन	समान्य संतुलन
◆ एक बाजार का संतुलन ◆ इस मान्यता पर आधारित कि अन्य बजारों में कोई परिवर्तन नही होता ◆ व्यष्टि अर्थशास्त्र के अध्ययन की विधि	◆ सामूहिक रूप से सभी बजारों का संतुलन ◆ इस मान्यता पर आधारित कि विभिन्न बाजारों में परिवर्तन होता है ◆ समष्टि अर्थशास्त्र के अध्ययन की विधि

समष्टि अर्थशास्त्र का उदभव / उतपत्ति

👉 **John Maynard Keynes** ➖
"The general theory of employment interest & money"
"Economic consequence of the peace"

👉 **1929 की महामंदी** के कारण यूरोप और उत्तरी अमेरिका के देशों में उत्पादन और रोजगार के स्तर में भारी गिरावट आई।

👉 1929-33 के बीच अमेरिका में बेरोजगारी दर 3% से बढ़कर 25% हो गई जबकि उत्पादन में लगभग 33% की गिरावट आई।

👉 इन घटनाओं ने अर्थशास्त्रियों को अर्थव्यवस्था की विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में नए तरीके से सोचने के लिए प्रेरित किया।

👉 **इस प्रकार अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली और विभिन्न क्षेत्रों की परस्पर निर्भरता का परिक्षण करने के लिए अर्थशास्त्र की एक नई शाखा के रूप में समष्टि अर्थशास्त्र का उदभव हुआ l**

ADAM SMITH

👉 आधुनिक अर्थशास्त्र के जनक।

👉 राजनीतिक अर्थशास्त्र के महान विचारक।

👉 **लेखक :-** "An enquiry into the nature and cause of the wealth of nations "

👉 **मुख्य सुझाव :-**

यदि प्रत्येक बाजार में क्रेता और विक्रेता अपने निजी हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेंगें तो अर्थशास्त्रियों को समग्र रूप से देश के धन और कल्याण के बारे में अलग से नहीं सोचना पड़ेगा।

अर्थशास्त्र की क्लासिकी परम्परा

(a) सारे श्रमिक जो काम करने के इच्छुक हैं उन्हें काम मिलेगा और,

(b) सारे कारखाने अपनी पूर्ण क्षमता के साथ काम करते रहेंगे l

👉 **उपरोक्त दोनों विचारों के समूह को अर्थशास्त्र की क्लासिकी परम्परा के रूप में जाना जाता है l**

by - M H Rabbani